

Schriftliche Magisterprüfung im Hauptfach am 9.11.2005
Sprachen und Kulturen des neuzeitlichen Südasiens

1) Der folgende bengalische Text ist zu übersetzen, wobei je ein bengalisch-englisches und ein englisch-deutsches Wörterbuch verwendet werden können. Der Text wurde S.101 des Werkes পার্বত্য চট্টগ্রাম: স্বরূপ সম্মান von জয়নাল আবেদীন (ঢাকা: আমেনা বেগম ১৯৯৭) entnommen.

বাংলাদেশ নতুন দিল্লীর এ অভিযোগ ক্রমাগতভাবে অস্বীকার করে আসলেও ভারতীয় কর্তারা তা বিশ্বাস করছেন না। বাংলাদেশ সরকার, উত্তর-পূর্বাঞ্চলের স্বাধীনতাকামী গেরিলাদের কথিত ঘাঁটি অনুসন্ধান ও সনাক্ত করার জন্য ভারতীয় কর্মকর্তাদের সরজমিনে অনুসন্ধানের প্রস্তাব দিলে, ভারত সে প্রস্তাবে সম্মত হতে সাহস পায়নি। অপরদিকে অপপ্রচারও বন্ধ করেনি। এমনকি আওয়ামী লীগ সরকার উত্তর-পূর্বাঞ্চলীয় রাজ্যসমূহের গেরিলাদের আশ্রয় না দেবার প্রকাশ্য প্রতিশ্রুতি দেয়া সত্ত্বেও ভারত বাংলাদেশকে সন্দেহ করছে। সুতরাং তাদের এ অভিযোগ পরিকল্পিত ও ইচ্ছাকৃত। তাদের দৃঢ় ধারণা যে, বাংলাদেশ ভারতের জন্য এমন একটা কাঁটা, যা উপড়ে না ফেললে ভারতের অস্তিত্ব হুমকির মুখোমুখি হবে।

সুতরাং উপরোক্ত আলোচনা নিঃসন্দেহে প্রমাণ করে যে, ভারত বহুবিধ লক্ষ্য অর্জনের উদ্দেশ্যে চাকমাদের লেলিয়ে দিয়েছে। ভারত একেবারে স্বাথহীন কিংবা উদ্দেশ্যহীনভাবে চাকমাদের প্রতি সহানুভূতিশীল হয়নি। চাকমাদের জন্য ভারতের সমর্থন যদি স্বাথহীনই হত, তবে ভারতের অরুণাচল প্রদেশ, মিকিরহীল, ত্রিপুরা, মিজোরামে যে সব চাকমা বসবাস করে তাদের জন্য ভারত একটি পৃথক স্বাধীন রাষ্ট্রের ব্যবস্থা করে দিত। কিংবা বৃটিশ আমলে পার্বত্য চট্টগ্রাম হতে যে ২৫০ বর্গমাইল এলাকা বিচ্ছিন্ন করে ভারতের বর্তমান মিজোরাম রাজ্যের সাথে যুক্ত করা হয়েছে, ভারত চাকমাদের অন্ততঃ সে অঞ্চলটি ফিরিয়ে দিত। চাকমারা জানে ভারত কখনোই এই বদান্যতা দেখাবে না।

Übersetzungshilfen: নতুন দিল্লী “Neu-Delhi”; এ অভিযোগ, nämlich daß Bangladesch Sezessionsbewegungen aus Nordost-Indien Unterschlupf und Ausbildung in Bangladesch gewähre; কর্তারা “Autoritäten”; পূর্বাঞ্চল = পূর্ব + অঞ্চল; ঘাঁটি “Basis”; অপপ্রচার “Verbreitung falscher Nachrichten”; আওয়ামী লীগ “Awami League”; অঞ্চলীয় = Adjektivbildung zu অঞ্চল; রাজ্য “Provinz”; দেয়া – দেওয়া; চাকমা “Chakma”; সহানুভূতি = সহ + অনুভূতি; অরুণাচল প্রদেশ, মিকিরহীল, ত্রিপুরা, মিজোরাম = Arunachal Pradesh, Mikir Hills, Tripura, Mizoram; বৃটিশ “britisch”; পার্বত্য চট্টগ্রাম “Chittagong Hill Tracts”; বর্গমাইল “Quadratmeile”.

2) Der folgende bengalische Text ist zu übersetzen, wobei je ein bengalisch-bengalisches, ein bengalisch-englisches und ein englisch-deutsches Wörterbuch verwendet werden können. Der

Text entstammt dem bengalischen महाभारत von कशीराम दास.

तवे एकदिन तथा द्रोण-गुरु-स्थाने।
अहिल निषाद एक शिक्षार कारणे॥
हिरण्यधनूर पुत्र एकलव्य नाम।
द्रोणेर चरणे आसि करिल प्रणाम॥
योड़हत करि बले विनय बचन।
शिक्षा-हेतु अहिलाम तोमार सदन॥
द्रोण बलिलेन तूइ होस् नीचजाति।
तोरे शिक्षा करहिले हईवे अख्याति॥
अनेक विनये बले निषादनन्दन।
तथापि ताहारे ना करान अधयन॥

Übersetzungshilfen: द्रोण war der Waffenlehrer der Kauravas und Pāṇḍavas; गुरु-स्थाने = गुरुवर काछे; अहिल von असा; हिरण्यधनु und एकलव्य sind Eigennamen; ताहारे = ताहारेके.

3) Der folgende hindi Text ist zu übersetzen, wobei je ein hindi-englisches und ein englisch-deutsches Wörterbuch verwendet werden können. Der Text wurde dem Anfang des Werkes सेनापति पुष्यमित्र, भाग १ – अभिषेक von सुशील कुमार (नई दिल्ली: सामयिक प्रकाशन १९९७) entnommen.

संध्या की लाली ने पलक झपकते समग्र परिवेश को व्याप लिया। नर्मदा के उत्तरी तट पर स्थित चक्रतीर्थ उस युग में प्रसिद्ध हो चला था, किंतु सुबाहु को अभी धर्म अथवा मोक्ष में कोई रुचि नहीं थी। वह तीर्थाटन की लालसा से नहीं आया था। चक्रतीर्थ में तो उसे इसलिए आना पड़ा कि वह जिस सार्थ में सम्मिलित होकर यात्रा कर रहा था, वह चक्रतीर्थ में रात काटने के लिए रुका था। इस सार्थ के प्रमुख थे पाटलिपुत्र के महाश्रेष्ठि श्रीदत्त। सार्थवाह श्रीदत्त के साथ में यात्रा करना उस युग के सभी छोटे-बड़े व्यापारियों की विशेष लालसा होती थी। कुछ ऐसा विश्वास बन गया था कि श्रेष्ठि श्रीदत्त परम भाग्यशाली हैं। उनके साथ छोटी से छोटी सामग्री लेकर जाने वाला व्यापारी भी चौगुना धन कमाकर लौटता है। वैसे यह संभवतः मात्र भाग्य की बात नहीं थी। वास्तविकता यह थी कि श्रेष्ठि श्रीदत्त सार्थवाह के रूप में आदर्श थे।

Übersetzungshilfen: नर्मदा ist ein Flußname; चक्रतीर्थ ist ein Ortsname; सुबाहु ist ein Personennamen; पाटलिपुत्र ist ein Ortsname; श्रेष्ठि = श्रेष्ठी; श्रीदत्त ist ein Personennamen; सार्थवाह ist der Träger, d.h. Organisator und Führer des सार्थ.